IIS-MA — Hindi (CBCS)

DDCE – V

2014

Time : As in the Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer **all** Sections as directed.*

Section – A

किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3 = 36

1. विद्यापति की पदावली के आधार पर उनकी प्रकृति वर्णन की विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए ।

2. विरह वर्णन में विद्यापति अद्वितीय हैं – इस कथन की आलोचना कीजिए ।

3. रासो काव्य परंपरा में 'पृथ्वीराज रासो' के महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए ।

4. 'शशिवृता विवाह' के अंतर्गत कवि के नारी भावना का निरूपण कीजिए ।

5. हिन्दी संत-काव्य-परंपरा में चर्यागीतों के प्रभाव का वर्णन कीजिए ।

Section – B

किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3 = 24

6. कुलिस कत सत पात मुदित,
   मयून नाचत मातिया।
   दादुर डाक डाहक,
   कोटि जाए न छातिया॥

7. किम हय पुट्ठिहि आर हौं,
   घटि दल संग्रह राज।
   भीर परत जो तजि चल्यौ,
   तब मो आवै लाज॥

8. नव नव पल्लव सेज ओछाओल,
   सिरि देल कदम्बक माला।
   बेसलि भभरी हर उदगाबए,
   चक्का चन्द निहारा॥

9. कालि कहल पियाए सांझहिर,
   जाएब मोये भारुअं देस।
   सोयं अभागिल नहि जानल रे,
   संगहि जहतंह सेह देस॥

10. श्रवनन भव श्रोतान न्रप।

मन वंछै चहुआनि॥

मनु ससिवृत्त कुमारि कौ।

परयौ उरद्धर बान॥

Section – C

किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2 = 10

11. विद्यापति का श्रृंगार वर्णन

12. पृथ्वीराज रासो में वीर-रस

13. शशिवृता का सौंदर्य वर्णन

14. चर्यागीति की भाषा

IIS-MA — Hindi
(CBCS) DDCE – VI

2014

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** the Sections as directed.*

Section – A

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें : 12×3 = 36

1. कबीर 'भाषा के डिक्टेटर' थे, सोदाहरण सिद्ध कीजिए ।

2. जायसी के काव्य-सौष्ठव पर निबन्ध लिखिए ।

3. भ्रमरगीत में वर्णित सगुण-निर्गुण विवाद पर प्रकाश डालिए ।

4. सुंदरकांड की काव्यात्मक विशिष्टता को सोदाहरण समझाइये ।

5. बिहारी के दोहे संक्षिप्तता और शिल्प के उत्कृष्ट उदाहरण हैं, सिद्ध कीजिए ।

(Turn over)

Section – B

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यांशों की व्याख्या कीजिए : 8×3 = 24

6. यह तन जालै मसि करौं, लिखौं राम का नाउँ ।
लेखणि करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाउँ ।
सब रंग तंत रबाब तन, विरह बजावै नित्त ।
और न कोई सुणि सकै, कै साईं के चित्त ॥

7. कनक कलस मुखचंद दिपाहीं । रहस केलिबस आवहिं जाहीं ॥
जा सहुवै हेरें चख नारी । बाँक नयन जनु हनहिं कटारी ॥
केस मेघावर सिर ता ताईं । चमकहिं दसन बीजु की नाईं ॥
माथे कनक गागरी, आवहिं रूप अनूप ।
जेहि के अस परिहारी, सो रानी केहि रूप ॥

8. जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहें ।
यह व्योपार तिहारो ऊधो ! ऐसोई फिरि जैहें ॥
जापै लै आयी है मधुकर, ताके उर न समैहें ॥
दाख छांडि के कटुक निबौरी, को अपने मुँह खैहें ॥

9. कहेउ राम वियोग तब सीता । मोकहुँ सकल भए विपरीता ।
नव तरु किसलय मनहुँ कृसानू । काल निसा सम निसि ससि भानू ॥
कुवलय विपिन कुंत बन सरिसा । बारिद तपत तेल जनु बरिसा ॥
जे हित करत रहे तेइ पीरा । उरग स्वास सम त्रिविध सरीरा ॥

Contd.

10. अर ते टरत न बर परै, दई मरक मनु मैन ।
होड़ाहोड़ी बढ़ि चले, चितु चतुराई, नैन ॥
नीकी दई आनाकनी, फीकी परी गुहारि ।
तज्यौ मनौ तारन बिरुद, बारक बारनु तारि ॥

Section – C

निम्नांकित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :5×2 = 10

11. बिहारी की काव्य-भाषा
12. कबीर काव्य में गुरु महिमा
13. सूर की गोपियों की वागविदग्धता
14. सुन्दरकांड का महत्त्व

2014

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

*Answer from **all** the Sections as directed.*

Section – A

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें : 12×3 = 36

1. 'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग के आधार पर श्रद्धा की कमनीयता का चित्रण कीजिए ।
2. 'तुलसीदास' कविता में निहित निराला के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।
3. अज्ञेय की कविता 'बावरा अहेरी' का विचार विश्लेषण कीजिए ।
4. 'असाध्य वीणा' कविता के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए ।

5. 'राम की शक्तिपूजा' में चित्रित राम के चरित्र का चित्रण कीजिए ।

Section – B

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यांशों की व्याख्या कीजिए :

8×3 = 24

6. नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल
मेघ-वन बीच गुलाबी रंग ।

7. चंचल किशोर सुंदरता की
मैं करती रहती रखवाली,
मैं वह हल्की सी मसलन हूँ
जो बनती कानों की लाली ।

8. बैठे रघुकुल मणि श्वेत शिला पर ;
निर्मल जल ले आये कर-पद-क्षालनार्थ पटु हनुमान ;
अन्य वीर सर के गये तीर संध्या-विधान-वंदना
ईश की करने को, लौटे सत्वर,
सब घेर राम को बैठे आज्ञा को तत्पर ।

9. धिक जीवन जो पाता ही आया विरोध
धिक साधन जिसके लिये सदा ही किया शोध

जानकी : हाय उद्धार प्रिया का हो न सका
वह एक और मन रहा राम का जो न थका ।

10. बाबूजी ! सच कहूँ - मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए, हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने मरम्मत के लिए खड़ा है ।

Section – C

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2 = 10

11. 'कामायनी' के लज्जा सर्ग की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

12. अज्ञेय जी की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. 'असाध्य वीणा' के आधार पर वीणा न बज सकने के कारणों को बतलाइए ।

14. 'तुलसीदास' कविता के केन्द्रीय भाव पर प्रकाश डालिए ।

2014

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer questions as directed in each Section.

Section – A

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें : 12×3 = 36

1. भारतीय कृषक की समस्याओं के संदर्भ में 'गोदान' की आलोचना कीजिए ।

2. "मालती बाहर से तितली है तो भीतर से मधुमक्खी" – लेखक के इस कथन के प्रकाश में मालती का चरित्रांकन कीजिए ।

3. "समकालीन विद्रूपताओं को व्यक्त करनेवाला 'राग दरबारी' एक जीवन्त दस्तावेज है ।" विवेचना कीजिए ।

4. 'रागदरबारी' में भारतीय ग्राम्य जीवन का जैसा चित्र खींचा गया है, उसमें नैतिक मान्यताओं के द्रुह अवक्षय होने का संकेत मिलता है, इस पर अपनी पाठकीय प्रतिक्रिया व्यक्त कीजिए ।

5. कहानी-कला की दृष्टि से 'जहाँ लक्ष्मी कैद है' अथवा 'खोई हुई दिशाएँ' की आलोचना कीजिए ।

Section – B

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3 = 24

6. संसार में गऊ बनने से काम नहीं चलता । जितना दबो, उतना ही लोग दबाते हैं । थाना-पुलिस, कचहरी-अदालत सब हैं हमारी रक्षा के लिए, लेकिन रक्षा कोई नहीं करता । चारों तरफ लूट है। जो गरीब हैं, बेकस है, उनकी गर्दन काटने के लिए सभी तैयार हैं ।

7. पुरुष में नारी के गुण आ जाते हैं तो वह महात्मा बन जाता है । नारी में पुरुष के गुण आ जाते हैं तो वह कुलटा हो जाती है ।

8. यहाँ गाँव में भी उसने यही भुनभुनाहट सुनी थी । किसान अमला-अहलकारों के खिलाफ भुनभुनाते थे, अहलकार अपने को जनता से अलग करके पहले जनता के खिलाफ भुनभुनाते थे और फिर दूसरी साँस में अपने को सरकार से अलग करके सरकार के खिलाफ भुनभुनाते थे ।

9. कोई सरकारी बोर्ड दस रुपल्ली का ग्राण्ट देता है और फिर कान पकड़ कर जैसी चाहे वैसी थीसिस लिखा लेता है । जिसे देखो, कोई न कोई रिसर्च प्रोजेक्ट हथियाये हैं । कहते हैं कि रिसर्च कर रहे हैं ; पर रिसर्च भी क्या, जिसका खाते हैं, उसी का गाते हैं ।

10. ..... जो होनी थी सो हो गई । उसे कोई लौटा थोड़े ही सकता है ? खुदा नेक की नेकी रखें और बद की बदी माफ करें । मेरे लिए चिराग नहीं, तो तुम लोग तो हो ! मुझे आकर इतनी ही तसल्ली हुई कि उस जमाने की कोई यादगार है ।

Section – C

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5×2 = 10

11. संक्षेप में झुनिया का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

12. 'रागदरबारी' की प्रमुख समस्या का उल्लेख कीजिए ।

13. 'परिन्दे' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

14. आँचलिक उपन्यास की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

———— ✵ ————

2014

Time : As in Programme

Full Marks : 70

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Answer questions as directed in each Section.

Section – A

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें : 12×3 = 36

1. अभिनेयता की दृष्टि से 'आधे-अधूरे' नाटक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

2. सावित्री का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

3. हिन्दी एकांकी के विकास में उपेन्द्रनाथ 'अश्क' के योगदान का वर्णन कीजिए ।

4. "चारुमित्रा" एकांकी इतिहास और कल्पना का अद्भुत समन्वय है" – इस कथन का विवेचन कीजिए ।

5. कविता के सम्बन्ध में रामचन्द्र शुक्ल के विचारों का वर्णन कीजिए ।

Section – B

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8×3 = 24

6. हम अपने आपमें खुद हिमालय हैं, ऐसे हिम के आलय, जो पिघलती नहीं बस जमी रहती है या और जमती चली जाती है, जिससे कुछ निकलता नहीं, जिसमें चीजें यथावत् पड़ी रह जाती हैं, जैविक व्यापार जहाँ आकर समाप्त हो जाता है ।

7. यदि किसी उक्ति में रसात्मकता और चमत्कार दोनों हों तो प्रधानता का विचार करके सूक्ति या काव्य का निर्णय हो सकता है । जहाँ उक्ति में अनूठापन अधिक मात्रा में होने पर भी उसकी तह में रहने वाला भाव आच्छन्न नहीं हो जाता, वहाँ भी काव्य ही माना जायेगा ।

8. वह कमज़ोर है, मगर इतना कमज़ोर नहीं है, तुमसे जुड़ा हुआ है, मगर इतना जुड़ा हुआ नहीं है, उतना बेसहारा भी नहीं है जितना वह अपने को समझाता है । वह ठीक से देख सके, तो एक पूरी दुनिया है उसके आसपास ।

9. कई कई दिनों के लिए अपने को उससे काट लेती हूँ । पर धीरे-धीरे हर चीज़ फिर उसी ढर्रे पर लौट आती है । सब कुछ फिर

उसी तरह होने लगता है जब तक कि हम ..... जब तक कि हम नये सिरे से उसी खोह में नहीं पहुँच जाते ।

10. यदि कोई शिकायत थी तो उसे वहाँ मिटा देना चाहिए था । हल्की-सी खरोंच भी, यदि उस पर तत्काल दवाई न लगा दी जाय, बढ़कर एक बड़ा सा घाव बन जाती है, और वही घाव फिर नासूर हो जाता है, फिर लाख मरहम लगाओ ठीक नहीं होता ।

Section – C

निम्नलिखित में से किन्हीं दो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

5×2 = 10

11. चारुमित्रा के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

12. मानव के लिए कविता की आवश्यकता पर शुक्लजी के क्या विचार हैं ? वर्णन कीजिए ।

13. 'आधे-अधूरे' नाटक में किन्नी का क्या महत्त्व है ? लिखिए ।

14. साहित्य के सम्बन्ध में पंडित बालकृष्ण भट्ट के विचारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।